

नेपाल सरकार
ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाइ मन्त्रालय
सिंहदरबार, काठमाडौं

माननीय मन्त्रीस्तरबाट भएको निर्देशन

प्रेषित: मन्त्रालय (MoEWRI), अन्तर्गत र सम्बन्धित निकायहरू

मिति: २०८३ बैशाख ३ (तदनुसार १६ अप्रिल २०२६)

| क्र.सं. | सम्पादन गर्नुपर्ने कार्यहरू | कार्य अवधि(दिन) | जिम्मेवार निकाय |
|---------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-----------------|
| १.१ | ओपन एक्सेस र व्हीलिंग चार्ज निर्धारण (Open Access and Wheeling Charge Determination) विद्युत नियमन आयोग (ERC) ले 'Open Access' विद्युत कारोबारका लागि लागू हुने गरी पारदर्शी र स्तरीकृत 'Wheeling Charge Methodology' निर्धारण गरी सार्वजनिक गर्ने । विद्युत नियमन आयोगले जलाशययुक्त जलविद्युत (Storage | ३० | ERC/NEA |

| | | | |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------------------|
| | Hydropower) तथा पम्प-स्टोरेज (Pumped Storage)आयोजनाका लागि मौसमी (Seasonal) र पिक-डिमाण्ड (Peak-demand) मूल्य निर्धारण सहितको भिन्न महसुल ढाँचा (Differentiated Tariff Framework) तर्जुमा गरी लागू गर्ने । | | |
| १.२ | <p>विद्युत खरिद सम्झौता सुधार (Power Purchase Agreement - PPA Reform)</p> <p>क. नेपाल विद्युत प्राधिकरणले हालसम्मका सबै विचाराधीन 'NEA-IPP PPA' विवादहरूको विस्तृत सूची र सो को स्पष्ट समाधानका लागि विकल्पहरू समावेश गरी मन्त्रालयमा पेश गर्ने ।</p> <p>ख. मिति २०८२/१२/१९ गठित समितिले मन्त्रालयलाई हाल विद्यमान सबै 'PPAs' लाई सञ्चालित (Operational), ढिलाइ भएको (Delayed), वा जोखिममा रहेको (At-Risk) श्रेणीमा वर्गीकरण गरी प्रतिवेदन पेश गर्ने ।</p> | ३ | NEA |
| १.३ | <p>संस्थागत कार्यादेश र क्षमता पुनरावलोकन (Institutional Mandate and Capacity Review)</p> <p>विद्युत नियमन आयोग (ERC), विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड (VUCL), र राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिड कम्पनी लिमिटेड (RPGCL) लाई</p> | ३० | ERC, VUCL, RPGCL |

| | | | |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------|
| | <p>आन्तरिक संस्थागत पुनरावलोकन गरी निम्न विषयहरू मन्त्रालयमा पेश गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • हालसम्म सम्पादन हुन नसकेका कार्यहरू र सोको कारण, • कार्यक्षेत्र (Mandate) मा रहेको अस्पष्टता वा अन्य निकायसँगको दोहोरोपन (Duplication), • सिफारिस गरिएका संरचनात्मक तथा कार्यगत सुधारहरू । | | |
| १.४ | <p>अनुमतिपत्र दर्ता र अनुपालन लेखापरीक्षण (Licence Registry and Compliance Audit)</p> <p>विद्युत विकास विभाग (DoED) ले सबै सर्वेक्षण (Survey) र निर्माण (Construction) अनुमतिपत्रहरूको पूर्ण सूची तयार गरी देहायका विषयहरू समेटेर सार्वजनिक गर्ने</p> <ul style="list-style-type: none"> • अनुमतिपत्र जारी भएको मिति, • सम्झौता अनुसारका माइलस्टोनहरू (Contractual Milestones) • माइलस्टोन प्राप्ति/प्रगतिको अवस्था, • नियम पालना नभएका (Non-compliance) आयोजनाहरू । <p>विभागले प्रचलित कानून बमोजिम पालना नगर्ने अनुमतिपत्र प्राप्त</p> | ६० | DoED |

| | | | |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------------|
| | संस्थालाई 'Cure Notice' जारी गर्ने। यस विषयको समीक्षा भएपछि मात्र नयाँ सर्वेक्षण अनुमतिपत्र जारी गर्ने। | | |
| १.५ | अनुमतिपत्र कार्यसम्पादन ड्यासबोर्ड (License Performance Dashboard) विद्युत विकास विभागले सार्वजनिक रूपमा पहुँचयोग्य 'License Performance Dashboard' स्थापना गरी मासिक रूपमा अद्यावधिक गर्ने। यसमा आयोजनागत माइलस्टोन प्रगति, अनुपालन अवस्था र कारबाहीका विवरणहरू समावेश हुनुपर्ने। | ६० | DoED |
| १.६ | निर्माण अनुमतिपत्रका लागि ग्रिड इभ्याकुएसन पूर्वशर्तको रूपमा रहने (Grid Evacuation as a Precondition) नेपाल विद्युत प्राधिकरण (ग्रिड विभाग) र RPGCL ले संयुक्त रूपमा विद्युत प्रवाहको मार्ग (Evacuation Pathway) र पर्याप्त प्रसारण तथा सब-स्टेशनको क्षमता सुनिश्चित गरी विभागले थप निर्माण अनुमतिपत्र जारी गर्ने। विभाग र प्राधिकरणले हाल अनुमतिपत्र | ७ | NEA, RPGCL |

| | | | |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|--------------|
| | पाएका तर ग्रिड कनेक्टिभिटी सुनिश्चित नभएका आयोजनाहरूको सूची संयुक्त रूपमा मन्त्रालयमा पेश गर्ने । | | |
| १.७ | <p>रोयल्टी पारदर्शिता र अनुपालन (Royalty Transparency and Compliance)</p> <p>जलविद्युत रोयल्टी संकलन र बक्यौताको विस्तृत प्रतिवेदन तयार गर्ने। 'अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन' बमोजिम प्रदेश र स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुने हिस्सा राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगको मापदण्ड एवं मानव विकास सूचकांकका आधारमा हस्तान्तरण भए नभएको एकिकृत गर्ने। यस प्रक्रियाको पारदर्शिताका लागि विस्तृत प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्ने।</p> | ३० | DoED |
| १.८ | <p>कार्बन राजस्व इकाइ (Carbon Revenue Unit)</p> <p>'कार्बन व्यापार नियमावली, २०८२' अन्तर्गत मन्त्रालयमा एक 'Carbon Revenue Unit' स्थापना गर्ने। यस इकाइले निम्न विषयहरू समेटेर एकिकृत मार्गदर्शन जारी गर्ने:</p> <ul style="list-style-type: none"> • योग्य आयोजनाका सूची (Eligible Project Categories) | १० | MoEWRI, AEPC |

| | | | |
|------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|-------------------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> • मापन, रिपोर्टिङ र प्रमाणीकरण प्रक्रियाहरू, • दर्ता र प्रमाणीकरण प्रक्रिया, • प्रभावित स्थानीय लाभ बाँडफाँड संयन्त्र (Locally Impacted Benefit-sharing mechanisms) <p>यस इकाइले साना आयोजनाहरूको कारोबार लागत (Transaction Cost) घटाउन एकिकृत संयन्त्र समेत विकास गर्नेछ।</p> | | |
| १.९ | <p>आन्तरिक माग मूल्याङ्कन (Domestic Demand Assessment and Planning)</p> <p>नेपाल विद्युत प्राधिकरण र वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र (AEPC) ले संयुक्त रूपमा आन्तरिक विद्युत खपत वृद्धिमा रहेका पूर्वाधारगत र प्रणालीगत अवरोधहरूको पहिचान (Diagnostic Assessment) गर्नुका साथै सो आधारमा राष्ट्रिय स्तरको विद्युत माग तथा खपत योजना (National Demand/Consumption Planning) निर्माण गरी कार्यान्वयन रणनीति तयार गर्ने।</p> | ५० | WECS, NEA, AEPC |
| १.१० | <p>नेपाल पावर ट्रेडिङ कम्पनी लिमिटेड (NPTCL) को क्रियाशीलता</p> <p>नेपाल विद्युत प्राधिकरणको बोर्डले NPTCL लाई पूर्ण रूपमा क्रियाशील विद्युत व्यापारिक निकायको रूपमा सञ्चालन गर्ने निर्णय</p> | ३० | NEA, RPGCL, VUCL, HIDCL |

| | | | |
|------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|----------|
| | <p>गर्नेछ। NPTCL ले आफ्नो उद्देश्य अनुरूप निम्नानुसार कार्य सम्पादन गर्ने</p> <ul style="list-style-type: none"> • आवश्यक कानुनी, व्यावसायिक र प्रणाली योजना क्षमता (System-planning capacity) स्थापना गर्ने, • Consumption Road Map (Demand Side Management) तयार गर्ने, • विद्युतको आन्तरिक खपत पश्चात दीर्घकालीन विद्युत व्यापारका लागि राष्ट्रिय निर्यात मार्गचित्र 'Export Roadmap' तयार गरी प्रकाशन गर्ने । | | |
| १.११ | <p>ग्रीन हाइड्रोजन पाइलट प्रोजेक्ट (Green Hydrogen Pilot Project) NEA-AEPC ले पूर्वतयारीका कार्यहरू गर्ने र थप R&D (Research and Development) कार्यका लागि विश्वविद्यालयहरू तथा अध्ययन संस्थाहरूसंग सहकार्य गर्ने ।</p> | ९० | NEA-AEPC |

| | | | |
|------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------------------|
| १.१२ | <p>बहुउद्देशीय जलाशययुक्त आयोजनाका लागि डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (DSS)</p> <p>मन्त्रालयले बहुउद्देशीय जलाशययुक्त आयोजनाहरूको मूल्याङ्कन, प्राथमिकीकरण र अनुक्रम (Sequencing) निर्धारणका लागि 'Decision Support System (DSS)' कार्यान्वयन गरी जलविज्ञान, ऊर्जा उत्पादन, सिंचाइ र बाढी नियन्त्रणका अतिरिक्त तल्लो तटीय लाभ (Downstream Benefits) का वातावरणीय तथा आर्थिक मापदण्डलाई अनिवार्य रूपमा एकीकृत गर्ने। आयोजनाको बहुआयामिक लाभलाई वैज्ञानिक रूपमा परिमाणीकरण गर्न जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालय (WECS) मार्फत सम्बन्धित विभागहरूको समन्वयमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्राज्ञिक एवं अनुसन्धानमूलक संस्थाहरूसँग प्राविधिक सहकार्य गर्ने। आयोजनाको प्राथमिकीकरण केवल ऊर्जा उत्पादनमा मात्र आधारित नभई एकीकृत बहुउद्देशीय लाभको आधारमा हुने।</p> | ९० | NEA, WECS, DoWRI |
| १.१३ | <p>उपभोक्ताका जिज्ञासा र विद्युत अवरोध (outages) सम्बन्धी समस्याहरू समाधान गर्न नवीनतम् प्रविधिमा आधारित इन्ड्रटमुक्त</p> | ३० | NEA |

| | | | |
|------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|-------------|
| | सरल र छरितो सेवा २४ सै घण्टा उपलब्ध हुने 'एआई साथी' (Chat Bot) को सुरुवात गर्ने। | | |
| १.१४ | विद्युत महसुल निर्धारण र सो सम्बन्धी विस्तृत प्रतिवेदन तयार पार्ने पूर्ण जिम्मेवारी विद्युत नियमन आयोग (ERC) को रहने व्यवस्था अन्तर्गत महसुल निर्धारण प्रक्रियालाई पारदर्शी, लागतमा आधारित र उपभोक्तामैत्री बनाउन आयोगले आवश्यक अध्ययन गरी नियमित रूपमा मन्त्रालयमा प्रतिवेदन पेश गर्ने । | ३० | MoEWRI, ERC |
| १.१५ | जलविद्युत आयोजनाहरूको निर्माण गुणस्तर नियन्त्रण र पूर्वाधार सुरक्षा अनुगमन (विशेषगरी विपद् जोखिम) लाई अनिवार्य गर्दै यसका लागि आवश्यक बजेट विनियोजन गरी जारी गरिएका निर्देशिकाहरूको पूर्ण कार्यान्वयन गर्ने तथा आयोजनाको प्राविधिक सुरक्षा र वातावरणीय प्रभावको नियमित मूल्याङ्कन गरी विभागले मन्त्रालयमा त्रैमासिक प्रतिवेदन पेश गर्ने। | ६० | DOED |
| १.१६ | जलाशययुक्त आयोजनाहरूको लामो अध्ययन, तयारी अवधि, लागत तथा प्रतिफललाई मध्यनजर गर्दै यस्ता आयोजनाको अनुमतिपत्रको अवधि ५० वर्ष कायम गर्ने गरी जारी गरिनेछ । | ४५ | MoEWRI/DOED |

| | | | |
|------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|-------------|
| १.१७ | <p>विगतको जलप्रवाहको तथ्यांकको मात्र विश्लेषण गरी Hydrological Series तयार गर्दै आएकोमा जलवायु परिवर्तनले गर्दा नदी प्रवाहमा पार्ने असरलाई समेत मूल्यांकन गरी Hydrological Series तयार गर्ने र सो अनुसार आयोजनाको Detailed Feasibility Study Report मा समावेश गर्ने व्यवस्था गर्न लगाउने। जलवायु परिवर्तनको प्रभावका कारण नदीको बहावमा आउने परिवर्तनले 'Contract Energy' उत्पादनमा असर परेको अवस्थामा, हाल कायम रहेको जलवैज्ञानिक जरिवाना (Hydrological Penalty) सम्बन्धी व्यवस्थालाई पुनरावलोकन गर्ने। यस्तो काबु बाहिरको परिस्थितिलाई दृष्टिगत गरी प्रवर्द्धकहरूलाई लाग्दै आएको जरिवाना सम्बन्धी प्रावधानलाई वैज्ञानिक र न्यायोचित बनाउन पुनर्विचार गर्दै आवश्यक प्राविधिक तथा कानुनी सिफारिस पेश गर्ने।</p> | ३० | NEA/DHM/ERC |
| १.१८ | <p>नेपाल विद्युत प्राधिकरणले ट्रान्सफर्मर, मिटर तथा कन्डक्टर जस्ता उपकरणको मौज्दात (Inventory) सार्वजनिक खरिद ऐनले निर्दिष्ट गरे बमोजिम गर्ने। साथै खरिद प्रक्रियालाई छिटो-छरितो (Fast-track) बनाउने। मौज्दातको जानकारी साप्ताहिक रूपमा मन्त्रालयमा</p> | १५ | NEA |

| | | | |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|--------|
| | पेश गर्ने हाउस वायरिङ र वितरण प्रणाली सुदृढीकरण कार्यक्रम तत्काल कार्यान्वयन गर्ने। साथै, विद्यमान प्रसारण लाइनहरूको प्राविधिक सुदृढीकरण कार्यहरूलाई प्राथमिकता दिई विद्युत आपूर्तिलाई सहज बनाइने। | | |
| २.१ | जलस्रोत र नवीकरणीय ऊर्जा तथा ऊर्जा दक्षता सम्बन्धी कानून (Water Resources and Renewable Energy and Energy Efficiency Legislation) मन्त्रालयबाट अन्तिम रूप दिइएको 'जलस्रोत विधेयक' र 'नवीकरणीय ऊर्जा तथा ऊर्जा दक्षता विधेयक' लाई स्वीकृतिका लागि मन्त्री समक्ष पेश गर्ने। | २० | MoEWRI |
| २.२ | नदी बेसिन गुरुयोजनाको कार्यान्वयन (Operationalization of River Basin Master Plans) जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालय (WECS) ले तयार गरेका 'River Basin Master Plans' स्वीकृतिका लागि मन्त्रालयमा पेश गर्ने । स्वीकृत भएपछि निम्न प्रक्रियाहरू अवलम्बन गर्नुपर्ने <ul style="list-style-type: none"> सचिवालयले उक्त योजनाहरूलाई मन्त्रालय मातहतका सबै निकायहरूमा अनिवार्य कार्यगत सन्दर्भ कागजात (Binding | ७ | WECS |

| | | | |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------|
| | operational reference documents) को रूपमा तत्काल पठाउने । | | |
| २.३ | <p>अन्तरदेशीय जलस्रोत इकाइ (Transboundary Water Resources Unit) जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालयमा एक समर्पित 'Transboundary Water Resources Unit' स्थापना गरिनेछ जसको जिम्मेवारी निम्न अनुसार हुनेछ ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • सबै द्विपक्षीय जलस्रोत तथा उर्जासँग सम्बन्धित सन्धि, सम्झौता, बैठकका माइन्युट र वार्ताका अडानहरूको केन्द्रीकृत डिजिटल तथा भौतिक अभिलेख राख्ने (संस्थागत निरन्तरता सुनिश्चित गर्ने)। • साझा नदीहरूका प्राविधिक, कानुनी र कूटनीतिक मामिलामा मन्त्रालय, परराष्ट्र मन्त्रालय र वार्ता टोलीका लागि एकीकृत ज्ञान भण्डार (Knowledge Repository) को रूपमा कार्य गर्ने। • गण्डकी, कोशी र महाकाली (एकीकृत महाकाली) वार्ताका लागि नेपालको प्राविधिक वार्ता अडान (Negotiating Positions) तयार र | १५ | WECS |

| | | | |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|-----|
| | <p>अद्यावधिक गर्ने र</p> <ul style="list-style-type: none"> • अन्तरदेशीय जल तथा ऊर्जा मामिलामा मन्त्रालय र परराष्ट्र मन्त्रालय बीचको सम्पर्क बिन्दु (Coordination Point) को रूपमा कार्य गर्ने। | | |
| २.४ | <p>जलवैज्ञानिक तथ्याङ्क पहुँच र स्तरीकरण (Hydrological Data Access and Standardization)</p> <p>जल तथा मौसम विज्ञान विभाग (DHM) ले जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालय, प्राधिकरण, सिंचाइ विभाग र अनुमतिपत्र प्राप्त प्रवर्द्धकहरूलाई माग गरेको ७ कार्यदिन भित्र प्रमाणित जलवैज्ञानिक तथ्याङ्क (Certified Hydrological Data) एवं प्रमाणित मौसमी तथ्यांक (Certified Meteorological Data) उपलब्ध गराउने प्रणाली स्थापना गर्नेछ। विभागले योजना निर्माणका लागि स्तरिकृत जलवायु प्रक्षेपणहरू CMIP6 Scenarios (सन २०५० सम्म) उपलब्ध गराउने। कुनै बेसिनको हकमा यस्तो तथ्याङ्क उपलब्ध नभएमा, विभागले हाइड्रोलोजिक मोडलिङ (Hydrologic</p> | ६० | DHM |

| | | | |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|------------------|
| | <p>Modelling) तथा Climate Downscaling Modeling को प्रक्रिया सुरु गरी आवश्यक प्रक्षेपणहरू तयार पारी उपलब्ध गराउनुपर्नेछ। सबै नयाँ अनुमतिपत्र आवेदनका लागि विभागको प्रमाणित तथ्याङ्क अनिवार्य हुनेछ। साथै, विभागले कृषि क्षेत्रका लागि वास्तविक समयको (Real-time) मौसम जानकारी उपलब्ध गराउने मस्यौदा योजना तयार गर्ने।</p> | | |
| २.५ | <p>भूमिगत जल अनुगमन र व्यवस्थापन (Groundwater Monitoring and Management) जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालय (WECS) ले जलस्रोत तथा सिंचाइ विभाग र जल तथा मौसम विज्ञान विभाग (DHM) सँगको समन्वयमा 'राष्ट्रिय भूमिगत जल अनुगमन तथा व्यवस्थापन योजना' तयार गरी निम्न विषयहरू समावेश गर्ने</p> <ul style="list-style-type: none"> • तराईमा २०० भन्दा बढी भूमिगत डिप ट्युबवेलहरूको डिजिटल अनुगमन नेटवर्क स्थापना र सञ्चालन गर्ने; • भूमिगत जलको गुणस्तर सुनिश्चितता र आर्सेनिक तथा फ्लोराइड जोखिम न्यूनीकरणका लागि खानेपानी मन्त्रालयसँग प्राविधिक सहकार्य गर्ने | १८० | WECS, DHM, DoWRI |

| | | | |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|------------------------|
| | <ul style="list-style-type: none"> • भूमिगत जलस्रोतको दिगो उपयोगका लागि जलस्रोत तथा सिंचाइ विभागले आफ्नो कार्ययोजनामा जल पुनर्भरण (Recharge) का कार्यक्रमहरू समावेश गर्ने • काठमाडौं उपत्यका सहित हिमाली र पहाडी जिल्लामा पनि पानी मुहान, स्रोतको उचित संरक्षण र पुनर्भरण गर्ने। | | |
| २.६ | <p>नदी बेसिन कार्यालयहरू</p> <p>जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालय अन्तर्गत स्थापना भएका कोशी, गण्डकी र कर्णाली नदी बेसिन कार्यालय मार्फत् Water Accounting and Water Auditing गर्न म्यान्डेट दिने। सो का लागि हरेक नदी बेसिनमा एउटा Pilot Sub Basin तोकिएको कार्य शुरु गर्ने।</p> | १०० | WECS, DHM, DoED, DoWRI |
| २.७ | <p>जल तथा ऊर्जा आयोगको सचिवालयले सिंचाइ विभाग, विश्वविद्यालयहरू, राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनिकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण, जल तथा मौसम विज्ञान विभागसँगको समन्वयमा प्रत्येक मुख्य नदी-बेसिनका लागि संरचनात्मक र प्रकृतिमा</p> | ९० | WECS/DoWRI |

| | | | |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|--------|
| | आधारित समाधानहरूको संयोजन सिफारिस गर्ने गरी 'Flood Management Master Plan' तयार गर्ने। | | |
| ३.१ | राष्ट्रिय गौरवका सिंचाइ आयोजनाहरूको पूर्ण कार्यान्वयन जलस्रोत तथा सिंचाइ विभाग (DoWRI) ले बबई र भेरी-बबई डाइभर्सन सिंचाइ आयोजनाहरू आगामी दुई वर्षभित्र सम्पन्न हुने सुनिश्चितता गर्ने। सिक्टा सिंचाइ आयोजनाको हकमा, हेडवर्क्स र मूल नहरको प्राविधिक जटिलतालाई सम्बोधन गर्दै निर्माण कार्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी सम्पन्न गर्ने। यसका लागि आवश्यक थप मानवीय तथा वित्तीय स्रोत व्यवस्थापन गर्न आवश्यक समन्वय गर्ने। विभागले ३० दिनभित्र विस्तृत कार्यान्वयन तालिका पेश गरी निरन्तर अनुगमन र समयमै कार्य सम्पन्न हुने सुनिश्चितता गर्ने। | ३० | DoWRI |
| ३.२ | महाकाली सिंचाइ आयोजना — तेस्रो चरण मन्त्रालयले परराष्ट्र मन्त्रालयसँगको समन्वयमा महाकाली सन्धि | ७ | MoEWRI |

| | | | |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|---------------|
| | <p>१९९६ बमोजिम टनकपुर हेड रेगुलेटरबाट पानी प्राप्त गर्न भारतीय पक्षसँग कूटनीतिक पहल गर्ने, विभागले निर्माण सम्पन्न क्षेत्रमा सिंचाइ सेवा सुरु गर्नेछ र बाँकी कामहरू स्वीकृत समयसीमा भित्र सम्पन्न गर्ने।</p> | | |
| ३.३ | <p>सुनकोशी-मरिन डाइभर्सन आयोजना — पुनः खरिद (Re-procurement) जलस्रोत तथा सिंचाइ विभागले १२० दिन भित्र पुनः खरिद (Re-procurement) प्रक्रिया अघि बढाइ र ठेक्का सम्झौता गर्ने। यस विषयमा मन्त्रालयले नियमित जानकारी लिने ।</p> | दैनिक | MoEWRI, DoWRI |
| ३.४ | <p>बहुउद्देश्यीय सिंचाइ आयोजना — कार्यगत ढाँचा (Operational Framework) मन्त्रालयले विभाग र सम्बन्धित निकायहरूसँगको समन्वयमा बहुउद्देश्यीय सिंचाइ आयोजनाका विभिन्न अवयवहरू (जलविद्युत, बाढी नियन्त्रण आदि)का लागि समेत कानुनी रूपमा मान्य हुने कार्यगत ढाँचा तयार गर्ने। यस ढाँचाले संस्थागत भूमिका, सञ्चालन जिम्मेवारी र राजस्व बाँडफाँडको व्याख्या गर्नेछ । उक्त कार्यगत ढाँचा १ महिना भित्र कार्यान्वयन गर्ने।</p> | ३० | DoWRI |

| | | | |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|-------|
| | | | |
| ३.५ | <p>सिंचाइ आयोजनाको दिगोपना सबै सिंचाइ आयोजनाहरूले सञ्चालन तथा मर्मत सम्भार (O&M)का लागि सामुदायिक साझेदारीको अवधारणा समावेश गर्नुपर्ने। विभागले स्थानीय तहसँगको समन्वयमा 'Irrigation Service Fee (ISF)' निर्धारण, संकलन र कार्यान्वयनका लागि निर्देशिका विकास गर्ने। सिंचाइ आयोजनाको वित्तीय दिगोपना हुने/नहुने यकिन गरी विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन गर्नुपर्नेछ। वित्तीय दिगोपना हुने आयोजना मात्र आयोजना बैंकमा प्रविष्टि गरी कार्यान्वयनमा लग्ने।</p> | ६० | DoWRI |
| ३.६ | <p>सिंचाइ-कृषि एकीकरण (Irrigation-Agriculture Integration) सिंचाइ सेवालाई कृषि तथा औद्योगिक उत्पादकत्वसँग जोड्न जलस्रोत तथा सिंचाइ विभागले कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय (MoALD) र उद्योग सम्बद्ध निकायहरूसँगको समन्वयमा</p> | ३० | DoWRI |

'Irrigation-Agriculture-Industry Convergence Plan' लागू गर्नेछ। यस योजना अन्तर्गत निम्न व्यवस्थाहरू गर्ने।

उच्च स्तरीय समन्वयका अतिरिक्त आयोजना स्थलमै कृषि, सिंचाइ र सम्बन्धित औद्योगिक क्षेत्रका प्राविधिकहरू सम्मिलित 'क्षेत्रगत कार्यदल' (Field-level Working Committee) गठन गरी कार्यान्वयनमा तयारी गर्ने।

आयोजनाको प्रभावकारिता मापनका लागि स्पष्ट जवाफदेहिता तय गरिनेछ र यसलाई 'बाली सघनता', 'पानीको उत्पादकत्व' एवं 'औद्योगिक उपयोग' जस्ता कार्यसम्पादन सूचक (KPI) का आधारमा मूल्याङ्कन गर्ने।

सिंचाइ पूर्वाधारहरूको दिगो उपयोग र मर्मतसम्भार सुनिश्चित गर्न विस्तृत 'सम्पत्ति व्यवस्थापन योजना' (Asset Management Plan) तयार गरी लागू गर्ने।

| | | | |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------------------------|
| ३.७ | <p>तराई-मधेश क्षेत्रका लागि खडेरी उत्थानशीलता रणनीति (Drought Resilience Strategy)</p> <p>जलस्रोत तथा सिंचाइ विभागले तराई-मधेश क्षेत्रका लागि विस्तृत खडेरी उत्थानशीलता रणनीति तयार गरी मन्त्रालयमा पेश गर्ने।</p> <p>रणनीति अनुसारका सिफारिस गरिएका उपायहरूलाई राष्ट्रिय योजना र बजेट प्रक्रियामा समावेश गर्ने ।</p> | ९० | MoEWRI, WECS, DoWRI |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|------------------------|